

Padma Vibhushan



DR. BELLE MONAPPA HEGDE

Dr. Belle Monappa Hegde, popularly known as Dr. B.M. Hegde, is a cardiologist, physician-scientist, educationist, motivational speaker, author, and a teacher. His exceptional service to humanity manifested in creating awareness among people regarding issues of health, wellness, and community has made him a famous personality in India and throughout the world.

2. Born on 18th August, 1938, in Pangala near Udupi, Karnataka, he attained his MBBS degree from Stanley Medical College, Madras University in 1960 and MD from King George's Medical College, University of Lucknow in 1964. He went to England on the Commonwealth Fellowship and passed the Membership of Royal College of Physicians of U.K. examination. He then pursued advanced training in Cardiology at Harvard Medical School, Boston as well as at the National Heart and The Middlesex Hospitals in London. He has attained several credentials, including Fellow of all the Royal Colleges of Physicians in the British Isles, American College of Cardiology, and the Indian Academy of Medical Sciences.

3. Dr. Hegde began his teaching career as a tutor in 1962 in Manipal. Subsequently, he served in the Kasturba Medical College, Mangalore and Manipal for 45 inspiring years, occupying with distinction the posts of Professor of Medicine, Director of PG studies, Principal, Dean, Pro- Vice Chancellor, and the Vice-Chancellor of Manipal University. Dr. Hegde was also the Co-Chairman of the TAG-VHS Diabetes Research Centre, Chennai and is the current Chairman of Bharatiya Vidya Bhavan, Mangalore. He is also a prolific writer. He has 170 research articles in Indian and foreign journals. He has penned nearly 35 books and over 3,500 articles in lay press. Late Nani Palkhiwala, a great Indian jurist, used to call him "a cardiologist with a heart."

4. Dr. Hegde started a research organization, World Academy of Authentic Healing Sciences, and an associated journal, The Journal of the Science of Healing Outcomes (www.thejsho.com), which has been in existence for thirteen years.

5. Dr. Hegde has been the recipient of numerous awards and honours. The Government of India conferred on him the "Padma Bhushan" in 2010. He received the Dr. B. C. Roy National Award in the category of Eminent Medical Teacher, the highest medical award in India, as well as the J. C. Bose Award for research in life sciences in 1999. He is the recipient of the Distinguished Physician of India Award in 1995, the Karnataka Rajyothsava Award in 1997, and twelve Gold Medal Orations. His contributions to medicine, science, and education are numerous, and he continues to inspire his family, students, peers, the country, and the world.

पद्म विभूषण



डॉ. बेल्ले मोनप्प हेगड़े

डॉ. बी. एम. हेगड़े के नाम से लोकप्रिय डॉ. बेल्ले मोनप्प हेगड़े एक कार्डियोलॉजिस्ट, फिजिशियन—वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, प्रेरक वक्ता, लेखक और एक शिक्षक हैं। लोगों के बीच स्वास्थ्य, आरोग्यता और समुदाय के मुद्दों पर जागरूकता फैलाकर मानवता की असाधारण सेवा करने की बदौलत डॉ. हेगड़े भारत और दुनिया भर में एक मशहूर शख्सियत बन गए हैं।

2. 18 अगस्त, 1938 को उडूपी, कर्नाटक के पास पंगला में जन्मे डॉ. हेगड़े ने 1960 में स्टेनले मेडिकल कॉलेज, मद्रास यूनिवर्सिटी से अपनी एमबीबीएस की डिग्री हासिल की और वर्ष 1964 में किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ यूनिवर्सिटी से एमडी किया। वह कॉमनवेल्थ फेलोशिप पर इंग्लैंड गए और मेंबरशिप ऑफ रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस ऑफ यू. के. परीक्षा पास की। इसके बाद उन्होंने हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन में और साथ ही लंदन के नेशनल हार्ट और द मिडलसेक्स हॉस्पिटल्स में कार्डियोलॉजी की एडवांस्ड ट्रेनिंग की। उन्होंने ब्रिटिश आइजल के सभी रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस, अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी और इंडियन एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के फेलो सहित कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

3. डॉ. हेगड़े ने अपनी अध्यापनवृत्ति वर्ष 1962 में मणिपाल में एक ट्यूटर के रूप में शुरू की। फिर उन्होंने 45 प्रेरणादायी वर्षों तक कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मंगलौर और मणिपाल में पढ़ाया और मणिपाल यूनिवर्सिटी में मेडिसिन के प्रोफेसर, पीजी स्टडीज के डायरेक्टर, प्रिंसिपल, डीन, प्रो—वाइस चांसलर और वाइस चांसलर के पदों को सुशोभित किया। वह टैग—वीएचएस डायबिटीज रिसर्च सेंटर, चेन्नई के को—चेयरमैन भी थे और भारतीय विद्या भवन, मंगलौर के वर्तमान चेयरमैन हैं। वह एक प्रखर लेखक भी हैं। भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं में उनके 170 शोध लेख प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने सामान्य प्रकाशनों में करीब 35 किताबें और 3,500 से ज्यादा लेख लिखे हैं। महान भारतीय न्यायविद् स्वर्गीय ननी पालकीवाला उन्हें 'ए कार्डियोलॉजिस्ट विथ ए हार्ट' यानी दिल वाला हृदय चिकित्सक कहा करते थे।

4. डॉ. हेगड़े ने एक शोध संगठन, वर्ल्ड एकेडमी ऑफ ऑर्थेंटिक हीलिंग साइंसेज और उससे जुड़ी एक पत्रिका, द जर्नल ऑफ द साइंस ऑफ हीलिंग आउटकम्स शुरू की (www.thejsho.com), जो तेरह वर्षों से प्रकाशित हो रही है।

5. डॉ. हेगड़े को बहुत सारे पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। वर्ष 2010 में भारत सरकार ने उन्हें 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया। वर्ष 1999 में उन्हें विख्यात चिकित्सा अध्यापक श्रेणी का राष्ट्रीय डॉ. बी. सी. रॉय पुरस्कार और साथ ही लाइफ साइंसेज में शोध के लिए जे. सी. बोस अवार्ड प्रदान किया गया। उन्हें वर्ष 1995 में भारत का उत्कृष्ट फिजिशियन पुरस्कार, वर्ष 1997 में कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार और बारह स्वर्ण पदक मिले। उन्होंने चिकित्सा, विज्ञान और शिक्षा में अपार योगदान दिया है और वह अब भी अपने परिवार, विद्यार्थियों, साथियों, देश और दुनिया के लिए एक प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।